

CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

2

शिवाय
 विंमन नरुः॥ पल्लवै पारणः॥ लयतु सुधुधरः॥
 ५५ ५५ ५५ः॥ अदः वधुधरः॥ भट्टेणः॥ ह्रमः कुमरः॥
 सुकमेनरुः॥ वृषि वृषिः॥ वृषिः प्रथः॥ विष्णु
 नृपिः॥ गुरुकृतेभः॥ यमेयभासदः॥ गवचे
 विष्णुवधुः॥ हृदी हृदिगिः॥ भगियभुभुभी
 यभनः॥ पिङ्गलः॥ पिङ्गलः॥ विष्णुपुत्रः॥
 मेवगिः॥ नृमनरुः॥ भृगीवधुधरः॥ भृध
 मनुः॥ मियगलः॥ वनलै वनलः॥ सुभरः॥ सुतः॥
 मेधः॥ कतः॥ गिः॥ पथः॥ पथः॥ वरुण
 नः॥ मदिवाधुकिः॥ भट्टेवधुधरः॥ वनलै
 गमरुः॥ भेभधुधरः॥ गुरुकृतेभः॥ भेभ
 पृः॥ भृवधुधरः॥ मदिगिः॥ मीः॥ मीः॥ मीः॥
 भवि पथः॥ भविगलः॥ भविरीगलः॥ वि
 वधुधरः॥ भृगीवधुधरः॥ ५५ ५५ ५५ः॥ भि
 अदः॥ नृमनरुः॥ ५५ ५५ ५५ः॥ गवधुधरः॥ य
 कृतिगिः॥ पृषिगिः॥ सुपेदिभवना॥
 सुपवधुधरः॥ गम॥ वधुधरः॥ भनः॥ ५५ ५५ ५५ः॥

सुदे गंमनके
 लयसंलिष्ट

एकत्रुवमि

नीत

००००००००

वधुधरः॥

कलमं



एकत्रुवमं

००
केसम १।
१५

CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

4

भस्त्रके कुरिम्बु रिपमपमडाध सुदभहृमवहृ ॥
 सुयहृ सुयवहृ पममलगतिने ग्लुवमयवडा ॥ ॥
 रि सुवेगएनभीमय मकंडइयउत्तुमा पलवडा
 भवेयं पलवमेदलभम ॥ एयती एयताभीति धीति
 यमपडाकय ॥ इउगभिक्रभिक्रउ गुरुव विनिवमयडा ॥
 भुदेनेमवः भुदध विउनेप्रभुकंमेडा भुदेनेउठिभ
 हुगेप्रमभाहृमवडा गुभायभं हसंमहृनभहृहंमभ
 भुडा ॥ एनगाहृमयभकुं हंमभइउमिक्रके कीमो
 मृहृपलभृगपिभीमृहृडा मने प्रभाएनभवेयं
 मृलएंसमभुडा ॥ मेहृगककुउमहृमृहृमृहृ
 मंथुडा ॥ दिगएव विविउमंभनेभिइमभुडा ॥
 यमभंमेमनंमहृमइंमेवइकहृकभ ॥ गहृमहृ
 मृगवयेमेमेमगमिडिभमेडा ॥ यगएिहृउहृ
 मृयएकमृयमुथंयडा ॥ भगेनहीमभुभग
 यवमृनंभृयएयडा ॥ भिइमदभंमयंभवेतिर
 थंयडा ॥ मेवगिक्रमउकभूंमउवनेवनभउ ॥
 सुभगाहृउहृयभृवीविभगुमुउय ॥ ॥ ॥

अध्याय ५

उत्तरपार्श्वे। स्त्रीयं।

[illegible]

• मिश्रणी

CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

५८

8

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ विष्णुं ध्यात्वा भक्तिं भुज्यते ॥ इत्युक्तं ॥
 भाग्यं च धर्मं च ध्यात्वा भक्तिं भुज्यते ॥ इत्युक्तं ॥
 भक्त्यैव भगवत्प्राप्तये ॥ विष्णुं ध्यात्वा भक्तिं भुज्यते ॥ इत्युक्तं ॥
 गः ॥ ३ ॥ मिमीक्षते भगवत्प्राप्तये ॥ विष्णुं ध्यात्वा भक्तिं भुज्यते ॥ इत्युक्तं ॥
 भक्त्यैव भगवत्प्राप्तये ॥ विष्णुं ध्यात्वा भक्तिं भुज्यते ॥ इत्युक्तं ॥
 भक्त्यैव भगवत्प्राप्तये ॥ विष्णुं ध्यात्वा भक्तिं भुज्यते ॥ इत्युक्तं ॥
 भक्त्यैव भगवत्प्राप्तये ॥ विष्णुं ध्यात्वा भक्तिं भुज्यते ॥ इत्युक्तं ॥
 भक्त्यैव भगवत्प्राप्तये ॥ विष्णुं ध्यात्वा भक्तिं भुज्यते ॥ इत्युक्तं ॥
 भक्त्यैव भगवत्प्राप्तये ॥ विष्णुं ध्यात्वा भक्तिं भुज्यते ॥ इत्युक्तं ॥
 भक्त्यैव भगवत्प्राप्तये ॥ विष्णुं ध्यात्वा भक्तिं भुज्यते ॥ इत्युक्तं ॥

भुवः पण्डितः वडीउवडुभानठः अदमंभू अदमा अदवलिनि
 पन्नरुनत्रिः अग्रदविष्टवक्रः अग्रिः यवेमकंनभः ॥ सु
 प्रयक्षिष्टउभ्रका गेष्टभमि भवं कलमासिमुं उमकलमं ॥ उडे
 मीडीगंगुड ॥

एमएस और पीए

भालिभक्तुन

हि भिक्तुन वगहै ० मियभुन भदलसु १ जंन कषनदितै १

अवेकदभुय मयेव मसुय भक्त २ दक्षिण मसुय नैरु

नगय भमदुहै १ भक्तिभ भक्तय वयव नगय कुरुदुहै १०

उर वयहै ^{मल} मर नगभिहै ^{कजिल} १ कुरुदुहै ^{नदे} भभवहै ३ पल्ल श्लेमदे १ पधितै ^{मजल} मजम मयै ० भल्लहै वमेमदे ०० मुदक विभुवभहै ०१ ^{कुंल} कुरुक मजिकलये ०१ ^{भिल्ल} मकल रुवइयै ०८विजि ^{मल} मल गेभाहै ०१ ^{सुय} मल्लहै ०१ ^{मुने} भुनगल वभवहै ०१वभुधायै भुधायै ०१ ^{मदकल} मकल मजसुदे ०१ ^{मिल्ल} मल्लहै ०१वभितै ^{गल} वगिहै विमसुहै १० गेभुन भदलये १०मसुद मभवइयै ११ ^{मल} मल मजिकलये ११ ११

मेवी मलभयै भदभमभिम मधनगय १८ पि

मिहै ^{मदल} मसुभ ११ ^{मल} मल कुरुकहै ११ ^{कल्ल} मल्लहै ११म ११ ^{मल} मल कल्लहै ११ ^{यधि} कायधुं भदकल्ल ११मल्लहै ^{मल} मल्लहै ११ ^{मल} मल भदभयै १० भयमसुभाहै ११ ^{मल} मल्लहै ११ ^{मल} मल्लहै ११है १८ ^{मल} मल्लहै ११ ^{मल} मल्लहै ११मल्लहै ११ ^{मल} मल्लहै ११ ^{मल} मल्लहै ११

मभुइमभुन मवउहेनमः॥ गदभहै भवयेगिनी

भदिलय भदभगय ॥ नैवभुभः १५ मल

दिल्लीवभुनिनउः भयंभेननकल्लउ गदभुभ

पयभुभी वसुभवभभय भुभितं गदभुभः १५

वभुभहै मभितै १५ भुविनिवभयग भयंभुभ

भुभवंकउहेननकल्लउ भनभुभधिमभुभभनभ

किल्लिभेभवग ॥